बिहार विशेष सामान्य ज्ञान

तथ्यात्मक व व्याख्यात्मक रूप में

बिहार में आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी

निःशुल्क सामग्री के लिए नीचे दिये गये QR Code को Scan करें, इसके पश्चात् chronicleindia.in पर अपना रजिस्ट्रेशन करें; अगर पहले से ही रजिस्टर्ड हैं तो दोबारा जरूरत नहीं

अध्ययन सामग्री के लिए नीचे दिए गए Coupon को Scratch कर अपना Coupon Code प्राप्त करें।

संपादकः एन. एन. ओझा
(सिविल सेवा परीक्षाओं के मार्गदर्शन में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव)
लेखन एवं प्रस्तुतिः क्रॉनिकल संपादकीय समूह

CHRONICLE
Nurturing Talent Since 1990

बिहार विशेष सामान्य ज्ञान

प्रथम संस्करण 2022

बुक कोड: 403

मूल्य: ₹300

ISBN : 978-81-950712-9-6

प्रकाशक

क्रॉनिकल पब्लिकेशंस प्रा. लि.

कॉरपोरेट ऑफिस:

ए-27डी, सेक्टर-16, नोएडा-201301,
फोन नं: 0120-2514610-12,
E-mail : info@chronicleindia.in

संपर्क सूत्र:

संपादकीय : 9582948817, editor@chronicleindia.in
ऑनलाइन सेल सहयोग: 9582219047, onlinesale@chronicleindia.in
तकनीकी सहयोग : 9953007634, Email Id: it@chronicleindia.in
विज्ञापन : 9953007627, advt@chronicleindia.in
सदस्यता : 9953007629, Subscription@chronicleindia.in
प्रिंट संस्करण सेल : 9953007630, circulation@chronicleindia.in

सर्वाधिकार सुरक्षित © क्रॉनिकल पब्लिकेशंस प्रा. लि.: इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रतिलिपिकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुन: प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानान्तरण, किसी भी रूप में या किसी भी विधि से- इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो-प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग या किसी और ढंग से, प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता।

पुस्तक में प्रकाशित सामग्री उपरोक्त विषय पर प्रकाशित पुस्तकों/जर्नल/रिपोर्ट/ऑनलाइन कंटेंट आदि से संकलित है। लेखक/संकलनकर्ता/प्रकाशक, प्रकाशित सामग्री की मूल लेखन का दावा नहीं करता। प्रकाशित सामग्री को पूर्णत: त्रुटि रहित बनाने का प्रयास किया गया है, फिर भी किसी भी प्रकार के त्रुटि के लिए क्षतिपूर्ति का दावा प्रकाशक/लेखक द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा। शंका की स्थिति में पाठक स्वयं भारत सरकार के दस्तावेज व अन्य स्त्रोतों के माध्यम से जांच कर सकते हैं

सभी विवादों का निपटारा दिल्ली न्यायिक क्षेत्र में होगा।, **पंजीकृत कार्यालय:** एच-31, जी.पी. एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110016, मुद्रक: एस के एंटरप्राइजेज, मुंडका, उद्योग नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली - 110041

पुस्तक के विषय में ...

यह पुस्तक बिहार में आयोजित होने वाली समस्त परीक्षाओं जैसे बिहार लोक सेवा आयोग, सीडीपीओ, बिहार कर्मचारी चयन आयोग (स्नातक और इंटर स्तरीय परीक्षा), बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग [बिहार पुलिस अवर निरीक्षक एवं प्रारक्ष अवर निरीक्षक (परिचारी), बिहार पुलिस] बिहार शिक्षक पात्रता परीक्षा (BTET, STET), B.ED प्रवेश परीक्षा, बिहार वन रक्षक भर्ती परीक्षा, बिहार होमगार्ड भर्ती परीक्षा एवं अन्य सभी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले प्रश्नों की प्रकृति के अनुरूप तैयार की गई है।

इस पुस्तक में बिहार से संबंधित इतिहास, कला-संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, राजव्यवस्था, पर्यटन, खेल-कूद जैसे समस्त विषयों के महत्वपूर्ण तथ्यों, आंकड़ों, योजनाओं और नीतियों को संक्षिप्त, सारगर्भित तथा बिन्दुवार रूप में प्रस्तुत किया गया है, साथ ही इस पुस्तक को प्रश्नों के निरंतर बदलते स्वरूप जिसमें बिहार की अवसंरचना, सामाजिक-आर्थिक विकास, ऊर्जा क्षेत्र, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन तथा आपदा प्रबंधन आदि विषयों से लगातार अद्यतन आंकड़ों, समसामयिक संदर्भों पर आधारित प्रश्न पूछे जा रहे हैं, को ध्यान में रखकर सभी पहलुओं का समावेश किया गया है।

पुस्तक में प्रारंभिक परीक्षा से संबंधित सभी प्रश्नों के उत्तर को समाहित किया गया है, साथ ही यह पुस्तक मुख्य परीक्षा के दृष्टिकोण से परीक्षार्थियों की आधारभूत संकल्पना की समझ विकसित करने में भी सहायक है।

यह पुस्तक परीक्षार्थियों को पांच विकल्पों वाले प्रश्नों को हल करने में उत्पन्न होने वाले संदेहों को समाप्त कर सटीक और सबसे सही विकल्प के चयन में मदद प्रदान कर सकती है साथ ही यह पुस्तक परीक्षार्थियों को वैसे प्रश्नों के उत्तर देने में भी सक्षम बनाएगी, जो संकल्पनात्मक आधार पर समसामयिक स्वरूप के होते है।

आगामी वर्ष में बिहार में आयोजित होने वाली सभी परीक्षाओं हेतु समस्त परीक्षार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ पूर्ण विश्वास है कि क्रॉनिकल संपादकीय समूह द्वारा सम्पादित यह पुस्तक आपकी परीक्षा संबंधित समस्त उम्मीदों और अपेक्षाओं को पूरा करने में सफल होगी।

अनुक्रमणिका

1. बिहार का सामान्य परिचय 09
- सामान्य परिचय 09

2. बिहार का इतिहास 13
- प्राचीन बिहार 15
- महाजनपद काल में बिहार 18
- मगध राज्य का उत्कर्ष 21
- मौर्य वंश (321.184 ई. पू.) 24
- मौर्योत्तरकाल 32
- गुप्तकालीन बिहार 33
- बिहार के प्रमुख विदेशी यात्री 37
- प्राचीन बिहार के शिक्षा केन्द्र 41
- पूर्व मध्यकालीन बिहार 42
- मध्यकालीन बिहार का इतिहास 43
- बिहार का आधुनिक इतिहास 50
- बिहार में ब्रिटिश विरोधी संघर्ष 52
- 1857 ई. के पूर्व बिहार में स्वतंत्रता आंदोलन 53
- 1857 की क्रांति 56
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में बिहार के विभिन्न वर्गों की भूमिका 71

3. बिहार की कला एवं संस्कृति 83
- बिहार के प्रमुख धर्म 83
- बिहार के लोकनाट्य 87
- बिहार के लोक नृत्य 88
- बिहार के लोकगीत 90
- क्षेत्रीय लोकगीत 92
- बिहार के प्रमुख मेले 93
- जीआई (विशिष्ट भौगोलिक पहचान) टैग प्राप्त खाद्य पदार्थ 95
- बिहार की भाषाएं 96
- बिहार में संगीत 98
- प्राचीन शिक्षा पद्धति 101
- आधुनिक काल में शिक्षा पद्धति 102
- बिहार में कला और स्थापत्य 105
- मूर्तिकला 111
- बिहार में चित्रकला 112

4. बिहार का भूगोल 118
- बिहार की भूगर्भिक संरचना 118
- बिहार का भौतिक स्वरूप 122
- अपवाह तंत्र 130

- जल-प्रपात 135
- झरने 136
- झील 136
- प्राकृतिक वनस्पति एवं वन संपदा 138
- वन नीति 139
- बिहार की प्रमुख मिट्टियाँ 140
- गंगा के दक्षिणी मैदान की मृदा 141
- मिट्टी की समस्याएँ 141
- मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन 142
- बहु-उद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएँ 143
- कृषि एवं कृषि प्रदेश 147
- खनिज संसाधन 151
- बिहार के उद्योग एवं औद्योगिक विकास 155
- बिहार के औद्योगिक उपक्रम 161
- बिहार के औद्योगिक क्षेत्र/प्रदेश 163
- बिहार के भौगोलिक प्रदेश 163

5. बिहार में अवसंरचनात्मक विकास 165

- अवसंरचना की वर्तमान स्थिति 165
- बिहार में ऊर्जा 165
- बिहार में सिंचाई 174
- बिहार में परिवहन व्यवस्था 176
- सड़क नेटवर्क 178
- जल परिवहन 186
- वायु परिवहन 186
- रेल परिवहन 187
- बिहार की संचार व्यवस्था 188
- पेयजल और स्वच्छता 189
- बिहार में जल गुणवत्ता की स्थिति 190
- ग्रामीण और शहरी विकास 191
- बिहार में सूचना प्रौद्योगिकी 197

6. बिहार की अर्थव्यवस्था 199

- बिहार की अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति 199
- बिहार में राजकोषीय प्रबंधन 202
- बिहार में कृषि एवं सहवर्ती क्षेत्र 205
- बिहार में सिंचाई संसाधन और उसकी वर्तमान स्थिति 208
- बिहार के प्रमुख कृषि प्रदेश 218
- बिहार में हरित-क्रान्ति 221
- भूमि सुधार 223
- बिहार में वित्त और बैंकिंग 224
- बिहार में निर्धनता 228
- श्रम तथा रोजगार 232
- बिहार में कौशल विकास 236
- 15वां वित्त आयोग और बिहार 238

➲ बिहार की अर्थव्यवस्था पर कोविड 19 का प्रभाव 241
➲ बिहार में उद्योग क्षेत्र 245

7. बिहार की राजव्यवस्था 253
➲ राज्य विधान मंडल 253
➲ विधान परिषद 255
➲ विधानसभा 257
➲ बिहार के प्रमुख आयोग 264
➲ बिहार में स्थानीय प्रशासन 267
➲ राज्य का क्षेत्रीय प्रशासन 275
➲ प्रमंडलीय प्रशासन 276
➲ प्रखंड प्रशासन 277
➲ बिहार की न्यायपालिका 277

8. बिहार में सामाजिक विकास 283
➲ बिहार की जनजातियां 283
➲ बिहार जनसांख्यिकी 2011 285
➲ बिहार में स्वास्थ्य संरचना 294
➲ महिला और बाल विकास 298
➲ महिला विकास 304
➲ वृद्ध और नि:शक्त जनों के लिए सामाजिक सुरक्षा 305

9. बिहार में शिक्षा: संरचना और विकास 307
➲ बिहार में शिक्षा 307
➲ राज्य के प्रमुख पुस्तकालय 320
➲ बिहार के प्रमुख संग्रहालय 324

10. बिहार पर्यावरण 326
➲ बिहार में प्रदूषण 326

11. बिहार में वन्य और वन जीव संरक्षण 332
➲ बिहार में आर्द्रभूमि 332
➲ बिहार में वन संसाधन 334

12. बिहार में आपदा और आपदा प्रबंधन 344
➲ बिहार की प्रमुख आपदा 344
➲ आपदा प्रबंधन 349

13. बिहार में पर्यटन 352
➲ पर्यटन 352

14. बिहार के ऐतिहासिक स्थल 356
➲ धार्मिक पर्यटन स्थल 363
➲ प्रमंडलवार प्रसिद्ध स्थल 370
➲ मगध प्रमंडल के प्रमुख पुरातात्विक स्थल 374
➲ कोशी प्रमंडल के प्रमुख पुरातात्विक स्थल 375
➲ मुंगेर प्रमण्डल के प्रमुख पुरातात्विक स्थल 376

➲ पटना प्रमंडल के प्रमुख पुरातात्विक स्थल 377
➲ भागलपुर प्रमंडल के पुरातात्विक स्थल 379

15. प्रमुख व्यक्तित्व 380
➲ प्राचीनकाल के प्रमुख व्यक्तित्व 382
➲ आधुनिक काल के प्रमुख व्यक्तित्व 385
➲ बिहार के प्रमुख साहित्यिक व्यक्तित्व 398

16. बिहार: खेल एवं पत्रकारिता 401
➲ खेल 401
➲ बिहार में पत्रकारिता 404

17. बिहार सरकार की प्रमुख योजना तथा नीति 406
➲ सात निश्चय योजना 410
➲ कृषि आधारित योजनाएं 414
➲ ग्रामीण/शहरी विकास कार्यक्रम 418
➲ रोजगार संबंधित योजनाएं 420
➲ अल्पसंख्यकों से संबंधित योजनाएं 424
➲ शिक्षा विकास से संबंधित योजना 426
➲ महिला एवं बाल विकास योजना 429
➲ सामाजिक सुरक्षा योजनाएं 433
➲ अन्य प्रमुख योजना/परियोजना 439

18. बिहार के प्रमुख मुद्दे 442
➲ बिहार को विशेष राज्य का दर्जा 442
➲ बिहार में नक्सलवाद 445

19. बिहार : विशेष तथ्य 448
➲ बिहार : भारत में प्रथम 448
➲ बिहार : विश्व में प्रथम 449
➲ बिहार में प्रथम 449
➲ प्रथम संस्थान और केन्द्र 451
➲ बिहार में सबसे बड़ा/सबसे छोटा 452
➲ प्रमुख उपनाम 452
➲ प्रमुख विभूति और उनके जन्म स्थान 453
➲ बिहार में हुए प्रमुख अभियान और ऑपरेशन 453
➲ बिहार के प्रमुख समूह और संगठन 454

20. जिलों का संक्षिप्त विवरण 455
➲ पटना 455
➲ नालन्दा 455
➲ भोजपुर 456
➲ कैमूर (भभुआ) 456
➲ रोहतास 457
➲ बक्सर 457
➲ गया 457

- जहानाबाद 458
- औरंगाबाद 458
- नवादा 459
- मुजफ्फरपुर 459
- सीतामढ़ी 459
- वैशाली 460
- पूर्वी चम्पारण 460
- पश्चिमी चम्पारण 461
- सारण 461
- शिवहर 462
- सीवान 462
- गोपालगंज 462
- दरभंगा 463
- मधुबनी 463
- बेगूसराय 464
- खगड़िया 464
- समस्तीपुर 464
- मुंगेर 465
- शेखपुरा 465
- जमुई 466
- लखीसराय 466
- मधेपुरा 466
- सुपौल 466
- सहरसा 467
- पूर्णिया 467
- किशनगंज 467
- अररिया 467
- कटिहार 467
- अरवल 469
- भागलपुर 469
- बांका 469

21. मानचित्र अध्ययन 470

- बिहार का राजनीतिक मानचित्र 470
- बिहार का प्राकृतिक मानचित्र 471
- बिहार की नदीयों का मानचित्र 471
- बिहार में बाढ़ प्रभावी जिलों का मानचित्र 472
- कृषि जलवायु क्षेत्र का मानचित्र 472

❋❋❋❋❋

01
अध्याय

बिहार का सामान्य परिचय

सामान्य परिचय

- **बिहार का महत्त्व:** 24 जैन तीर्थंकरों, भगवान बुद्ध तथा अनेक प्रमुख व्यक्तियों की कर्मभूमि
- **नामकरण:** 12वीं शताब्दी के अंत में ओदंतपुरी के समय में बौद्ध विहारों की बहुलता के कारण इस क्षेत्र का नाम 'विहार' पड़ा, जो कालांतर में बिहार के रूप में प्रचलित हो गया।
- **प्राचीन नाम:** प्राच्य या पूर्व देश (वैदिक युग)
- **बिहार के संदर्भ में प्रथम जानकारी:** शतपथ ब्राहम्ण
- **बिहार की राजधानी:** पटना
- **बिहार राज्य का गठन:** 22 मार्च, 1912
- **राज्य दिवस:** 22 मार्च
- **उच्च न्यायालय:** पटना उच्च न्यायालय
- **बिहार की राज्यकीय भाषा:** हिन्दी
- **द्वितीय राजभाषा:** उर्दू
- **अन्य भाषायें:** मैथिली, मगही, भोजपुरी, वज्जिका एवं अंगिका
- **राजकीय पक्षी:** गौरैया
- **राजकीय पुष्प:** गेंदा
- **राजकीय वृक्ष:** पीपल
- **राजकीय पशु:** बैल (2013 से पहले रीछ)
- **राज्य चिह्न:** बोधिवृक्ष
- **राजकीय मछली:** मांगुर
- **राजकीय खेल:** कबड्डी

भौगोलिक परिचय

- **बिहार का क्षेत्रफल:** 94, 163 वर्ग किलोमीटर (अविभाजित बिहार का लगभग 54 प्रतिशत)
- **क्षेत्रफल की दृष्टि से भारतीय राज्यों में स्थान:** 12वां (तेलंगाना के निर्माण के पश्चात्-13वां)
- **भौगोलिक स्थिति:** भारत के उत्तर-पूर्वी भाग में
- **बिहार की अक्षांशीय विस्तार:** 24°, 20', 10" - 27°, 31', 15" N
- **बिहार की देशांतरीय विस्तार:** 83°, 19', 50" - 88°, 17', 40" E
- **विस्तार:** लम्बाई–उत्तर से दक्षिण की ओर 345 किलोमीटर
- **चौड़ाई:** पूर्व से पश्चिम की ओर 483 किलोमीटर
- **भौगोलिक सीमायें:** उत्तर में नेपाल, दक्षिण में झारखंड, पूर्व में पश्चिम बंगाल, पश्चिम में उत्तर प्रदेश
- **राज्य की सीमा को स्पर्श करने वाले राज्य:** झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश
- **अंतरराष्ट्रीय सीमा को स्पर्श करने वाले जिले:** किशनगंज, अररिया, सुपौल, मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण (कुल 7 जिले जो नेपाल से सीमा बनाते है)

- **झारखण्ड की सीमा से लगने वाले जिले:** कटिहार, भागलपुर, बांका, जमुई, नवादा, गया, औरंगाबाद, रोहतास और कैमूर (कुल 9 जिले)
- **पश्चिम बंगाल से लगने वाले जिले:** किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार (कुल तीन जिले)
- **झारखण्ड से लगने वाले जिले:** रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, जमुई, बांका, भागलपुर, कटिहार
- **उत्तर प्रदेश से लगने वाले जिले:** पश्चिमी चम्पारण, गोपाल गंज, सिवान, सारण, भोजपुर, बक्सर, कैमूर
- **नेपाल से सीमा बनाने वाले जिले:** सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पश्चिमी चम्पारण, पूर्वी चम्पारण
- **पटना से सीमा बनाने वाले जिले:** वैशाली, सारण, भोजपुर, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, लखीसराय, बेगूसराय, समस्तीपुर
- **गंगा के किनारे पर स्थित जिले:** बक्सर, भागलपुर, सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, कटिहार, मुंगेर, लखीसराय, खगड़िया, आरा
- **सर्वाधिक तापमान:** गया (औसत 40-50 डिग्री सेल्सियस)
- **राज्य का औसत वर्षा:** 987.2 मिमी
- **बिहार के भौगोलिक क्षेत्र में वृक्षादन की स्थिति:** 2.13%
- **बिहार का वन विहीन जिला:** जहानाबाद
- **बिहार का गंगा नदी में प्रवेश:** बक्सर (चौसा)
- **राज्य का सर्वाधिक ऊँचा शिखर:** सोमेश्वर श्रेणी (875 मी)
- **राज्य में सिंचित क्षेत्र:** 72.07 लाख हेक्टेयर
- **सड़कों की कुल लम्बाई:** 209549 किमी
- **बिहार का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग:** NH 27 EW (487 KM)
- **बिहार का सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग:** NH 72 A (4.4 KM)
- **बाढ़ प्रभावित क्षेत्र:** 68.80 लाख हेक्टेयर
- **बिहार की प्रमुख नदियां:** गंगा, सरयू, गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती, कोसी, सोन, महानंदा, कमला, पुनपुन, फल्गू, सकरी, पंचाने और कर्मनाशा
- **बिहार का शोक:** कोसी नदी
- **बिहार के मुख्य दोआब:** घाघरा-गंडक दोआब, गंडक-कोसी दोआब, कोसी-महानंदा दोआब
- **बिहार के नदियों की सामान्य अपवाह प्रणाली:** पादपाकार प्रणाली
- **गंगा नदी का बिहार में प्रवेश वाला जिला:** भोजपुर
- **बिहार के प्रमुख जलप्रपात:** ककोलत जलप्रपात (नवादा), दुर्गावती जलप्रपात (कैमूर)
- **गर्म जल के झरने एवं कुंड:** सप्तधारा या सतधरवा झरना, ब्रह्मकुंड, सूर्यकुंड, मखदूम कुंड नानककुंड, गोमुखकुंड (राजगीर), लक्ष्मण कुंड, रामेश्वर कुंड, सीता कुंड, ऋषि कुंड, (मुंगेर)।
- **राज्य के वन क्षेत्र का प्रतिशत:** 7.76 प्रतिशत
- **जलवायु:** मानसूनी जलवायु (संशोधित महाद्वीपीय प्रकार की)
- **प्रमुख ऋतुयें:** ग्रीष्म ऋतु (मार्च से मध्य जून तक), वर्षा ऋतु (मध्य जून से मध्य अक्टूबर तक), शरद् ऋतु (नवम्बर से फरवरी तक)।
- **सर्वाधिक गर्म जिला:** गया
- **सर्वाधिक ठंडा जिला:** गया
- **सर्वाधिक औसत आर्द्रता वाला स्थान:** भागलपुर
- **सर्वाधिक वार्षिक औसत तापमान :** भागलपुर

06
अध्याय

बिहार की अर्थव्यवस्था

बिहार की अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति

बिहार सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 का बजट आत्मनिर्भर बिहार के संदेश से युक्त है, जिसमें शिक्षा, युवा, महिला विकास पर बल प्रदान करने के साथ-साथ निश्चय पार्ट-2 से संबंधित विशेष प्रावधान किया गया है।

सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP): स्थिर मूल्य पर बिहार की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2019-20 में 10.5% थी, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर से अधिक है।

- **निवल राज्य घरेलू उत्पाद:** 2019-20 में बिहार का निवल राज्य घरेलू उत्पाद वर्तमान मूल्य पर 5,62,710 करोड़ रुपए तथा प्रति व्यक्ति सकल राज्य घरेलू उत्पाद वर्तमान मूल्य पर 50,735 रु. है।
- तीन प्रमुख क्षेत्रों के अंतर्गत प्राथमिक क्षेत्र में लगातार गिरावट हुई, जो 2013-14 के 23.4% से घटकर 2019-20 में 19.5% रह गई है। तृतीयक क्षेत्र में 2013-14 के 57.3% से बढ़कर 2019-20 में 60.2% हो गई।

बिहार का समृद्ध और गरीब जिला

- बिहार के तीन समृद्ध जिले (प्रति व्यक्ति सकल जिला घरेलू उत्पाद (2017-18) के आधार पर- पटना (1,12,604 रु.), बेगूसराय (45,590 रु.), मुंगेर (37,388 रु.)
- बिहार के तीन सबसे गरीब जिले- किशनगंज (19,313 रु.) अररिया (18,981 रु.), शिवहर (17,569 रु.)
- बिहार 2004-05 से लगातार राजस्व अधिशेष वाला राज्य रहा है, जो 2019-20 में भी बना रहा।
- वर्ष 2019-20 में बिहार का राजस्व व्यय 1,23,533 करोड़ रु. तथा पूंजीगत व्यय 20,080 करोड़ रु. था।
- वर्ष 2019-20 में सकल राजकोषीय घाटा सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 2.0% था, जो 2018-19 के 2.7% से कम है।

ऊर्जा क्षेत्र

- **बिजली की प्रति व्यक्ति खपत:** 2012-13 में 145 धूरी से बढ़कर 2019-20 में 332 धूरी हो चुकी है, जो 7 वर्षों में 129% की वृद्धि दर्शाती है।
- **अनुमानित मांग:** 2012-13 में 2650 MW से बढ़कर 2019-20 में 5900 MW (7 वर्षों में 123% की वृद्धि)।
- **बिजली उपलब्धता:** 2018-19 में 4767 MW से 27.4% बढ़कर 2019-20 में 6073 MW हो गया।

◈ मांग पूरा करने हेतु 2022-23 में 4516 MW अतिरिक्त क्षमता बढ़ाने की जरूरत होगी।

अवसंरचना

◈ कुल राष्ट्रीय राज्य पथ-58 (5475 कि.मी. लम्बाई 2020 में)।
◈ सकल राज्य घरेलू उत्पाद में निर्माण क्षेत्र का योगदान 10% है।

बजट के महत्वपूर्ण बिन्दु

22 फरवरी, 2021 को बिहार विधान मंडल में वित्तीय वर्ष 2021-22 का बजट प्रस्तुत किया। इस बार 2 लाख, 18 हजार, 303 करोड़ की अनुमानित बजट राशि रखी गई है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल प्राप्ति 2,18,570 अनुमानित है।

◈ वित्तीय वर्ष 2021-22 का कुल व्यय बजट अनुमान 2,18,302.70
◈ करोड़ रुपए है, जो वित्तीय वर्ष 2020-21 के बजट।
◈ अनुमान 2,11,761.49 करोड़ रुपये से 6,541.21 करोड़ रुपये अधिक है।
◈ **राजकोषीय घाटा:** वित्तीय वर्ष 2021-22 में राजकोषीय घाटा 22,510.78 करोड़ रुपये का है, जो राज्य सकल घरेलू उत्पाद का 7,57,026.00 करोड़ रुपये का 2.97 प्रतिशत है।
◈ वर्ष 2019-20 में राजकोषीय घाटा सकल राज्य घरेलू उत्पाद 6,17,153.00 करोड़ रुपये का 1.98 प्रतिशत रहा, जो कि 3 प्रतिशत की निर्धारित अधिसीमा के अधीन है।
◈ **ऋण प्रबंधन:** बिहार राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम के प्रावधान के आलोक में राजकोषीय घाटा 3 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य है। वर्ष 2021-22 के अन्त में लोक ऋण 2,01,466.71 करोड़ रुपये अनुमानित है, जो सकल घरेलू उत्पाद का 26.61 प्रतिशत है।
◈ वर्ष 2005-2006 में राज्य सरकार पर कुल बकाया ऋण GSDP का 56.36 प्रतिशत है, परन्तु बेहतर ऋण प्रबंधन के कारण वर्ष 2019-2020 के अंत में कुल बकाया ऋण 1,90,898.85 करोड़ है, जो राज्य के GSDP का 30.93% है।

प्रमुख विभागवार वार्षिक स्कीम उद्व्यय 2021-22 इस प्रकार है-

क्र. सं.	विभाग का नाम	स्कीम उद्व्यय (करोड़ रुपये में)	प्रतिशत
1.	शिक्षा विभाग	21,939.03	21.94
2.	ग्रामीण विकास विभाग	16,782.66	16.78
3.	समाज कल्याण विभाग	8,190.85	8.19
4.	ग्रामीण कार्य विभाग	7,313.00	7.31
5.	स्वास्थ्य विभाग	6,927.00	6.93

◈ वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में निवल ऋण अधिसीमा सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत की गई है।
◈ **शिक्षा विभाग:** वर्ष 2021-22 में 38,035.93 करोड़ रु. प्रस्तावित हैं, जिसमें राजस्व मद में 36,971.29 करोड़ रुपये एवं पूंजीगत मद में 1,064.64 करोड़ रुपये प्रस्तावित है।
◈ **स्वास्थ्य विभाग:** वर्ष 2021-22 में 13,264.87 करोड़ रु. प्रस्तावित है, जिसमें राजस्व मद में 10,827-19 करोड़ रुपये तथा पूंजीगत मद में 2,437.68 करोड़ रुपये प्रस्तावित है।
◈ **सड़क क्षेत्र:** पथ निर्माण एवं ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा सड़क क्षेत्र में व्यय किए जाते हैं।
◈ इन विभागों में इस क्षेत्र में वर्ष 2021-22 में 15,227.74 करोड़ रुपये का व्यय अनुमानित है, जिसमें सड़कों के रख-रखाव एवं मरम्मत मद (OPRMC) में 2,850.00 करोड़ रुपये अनुमानित है।

09
अध्याय

बिहार में शिक्षा: संरचना और विकास

बिहार में शिक्षा

शिक्षा मानव जीवन का एक अहम पहलू है। शिक्षा और स्वास्थ्य जीवन के दो मूल तत्व हैं, जिनके बिना मानव के सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। शिक्षा मनुष्य के व्यक्तित्व की पूर्णता को प्रदर्शित करती है।

- 'शिक्षा विहीना: पशुभि: समाना:' की उक्ति सही चरितार्थ होती है; अर्थात शिक्षा के बिना मनुष्य का जीवन केवल एक पशु की तरह ही है। शिक्षा ही वह प्रक्रिया है जो मनुष्य की आन्तरिक शक्तियों का विकास करती है। इसलिए 'सभी के लिए शिक्षा' का लक्ष्य रखा गया है, जिससे कि शिक्षा द्वार-द्वार और जन-जन तक पहुंचाई जा सके।
- वर्ष 2011 की अंतिम जनगणना के अनुसार बिहार की कुल साक्षरता 61.8% है, जिसमें पुरुष साक्षरता 71.2% तथा महिला साक्षरता 51.5% है। साक्षरता के सन्दर्भ में बिहार का स्थान सभी राज्यों में 28वां है। इसके साथ-साथ पुरुष और महिला साक्षरता में भी बिहार का स्थान सबसे नीचे है।
- बिहार प्रदेश साक्षरता के दृष्टिकोण से देश का सबसे पिछड़ा राज्य है। राज्य की औसत साक्षरता देश में वर्ष 1951 से लगातार गिरती रही है। बिहार में रोहतास राज्य का सर्वाधिक साक्षरता (73.37 प्रतिशत) वाला जिला है। सबसे कम साक्षरता (51.08 प्रतिशत) वाला जिला पूर्णिया है।
- राज्य में शिक्षा की प्रगति प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा, सभी स्तरों पर होने वाले विकास पर निर्भर होती है।
- राज्य सरकार ने हाल के वर्षों में प्रारंभिक शिक्षा को अधिक महत्व दिया है क्योंकि बिहार जैसे शैक्षिक रूप से पिछड़े राज्य के लिए प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र को ही सर्वाधिक महत्व देने की जरूरत है। इसलिए कि यही क्षेत्र माध्यमिक क्षेत्र में विद्यार्थियों को भेजता है और माध्यमिक क्षेत्र विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भेजता है।

प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा की स्थिति

प्रारंभिक शिक्षा में प्रगति को दो महत्वपूर्ण सूचकों द्वारा व्यक्त किया जाता है- उच्च नामांकन अनुपात और निम्न छीजन दर (ड्रॉपआउट रेट)।

- इन दोनों सूचकांकों का प्रदर्शन अधिकांशत: विद्यालयों, शिक्षकों आदि की उपलब्धता से प्रभावित होता है। बिहार के लिए यह खास तौर पर महत्वपूर्ण है जहां अधिकांश परिवार ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं और पूरी तरह से सरकारी विद्यालयों पर निर्भर हैं।
- बिहार में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक, दोनों प्रकार के विद्यालयों की संख्या पिछले तीन दशकों में 21 प्रतिशत बढ़कर 1990-91 के 66,116 से 2018-19 में 80,018 हो गई। एक अन्य महत्वपूर्ण सूचक शिक्षकों की संख्या है। इसी अवधि में प्रारंभिक शिक्षा में शिक्षकों की संख्या 1990-91 में 2,16,674 थी जो 2018-19 में 3,69,105 हो गई, जो 70 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

विद्यालयों में नामांकन की दर

प्राथमिक स्तर पर कुल नामांकन 2018-19 में 141,35 लाख था। वहीं, 2018-19 में उच्च प्राथमिक स्तर पर कुल नामांकन 69.34 लाख था। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक को मिलाकर देखने पर कुल नामांकन 2018-19 में 210.67 लाख था।

- इसी अवधि में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों का प्रारंभिक स्तर पर कुल नामांकन 2012-13 के 36.75 लाख से 7.2 प्रतिशत बढ़कर 2018-19 में 39.38 लाख हो गया।
- इसी प्रकार, अनुसूचित जनजातियों का नामांकन इस अवधि में 12.0 प्रतिशत बढ़ा और 2012-13 के 3.93 लाख से 2018-19 में कुल नामांकन में लड़कों का 50.7 प्रतिशत और लड़कियों का 49.3 प्रतिशत हिस्सा था।

जिलावार नामांकन की स्थिति

जिलों में 2018-19 में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक, दोनों स्तरों पर नामांकन के मामले में काफी अंतर है। वर्ष 2018-19 में दोनों स्तरों पर सर्वाधिक 12.29 लाख नामांकन पूर्व चंपारण में दर्ज हुआ और उसके बाद 10.30 लाख मुजफ्फरपुर में और 9.49 लाख पटना में।

- दूसरी ओर, 2018-19 में दोनों स्तरों पर सबसे कम 1.41 लाख नामांकन शेखपुरा में और 1.44 लाख शिवहर में दर्ज हुआ।
- अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की बात करें, तो सर्वोत्तम प्रदर्शन वाला जिला नालंदा (2.70 लाख) था और सबसे कमजोर प्रदर्शन वाला जिला अरवल (0.25 लाख)। वहीं, 2018-19 में अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के मामले में सर्वोत्तम प्रदर्शन वाला जिला पश्चिमी चंपारण (0.65 लाख) था।

प्रारंभिक स्तर पर कुल नामांकन (2012-13 से 2018-19)

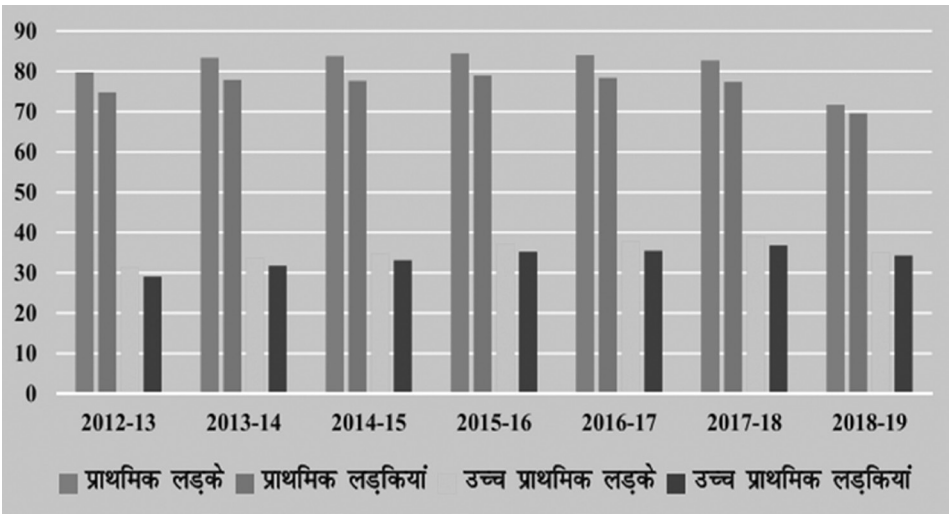

छीजन दर या ड्रॉपआउट

समय से पहले पढ़ाई छोड़ देने की समस्या बिहार में बड़ी समस्या रही है। विभिन्न अध्ययनों में पढ़ाई छोड़ देने के विभिन्न कारकों की पहचान की गई है। इन सारे कारकों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है-

17
अध्याय

बिहार सरकार की प्रमुख योजना तथा नीति

इथेनॉल उत्पादन संवर्धन नीति, 2021

19 मार्च, 2021 को बिहार इथेनॉल उत्पादन संवर्धन नीति, 2021 का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही बिहार जैव ईंधन, 2018 की राष्ट्रीय नीति के तहत इथेनॉल संवर्धन नीति लागू करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है।

मुख्य बिन्दु

1. यह नीति इथेनॉल के निष्कर्षण की अनुमति देती है, जो गन्ने तक, साथ ही मक्का की अधिशेष मात्रा तक सीमित थी, अब मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त अनाज, गन्ने का रस, चीनी, सीरप, अधिशेष चावल और मक्का से इथेनॉल उत्पादन की अनुमति प्रदान की गई है।
2. संयंत्र और मशीनरी की लागत का 15% पर अधिकतम 5 करोड़ तक की अतिरिक्त पूंजी सब्सिडी प्रदान करके नई स्टैंडर्ड इथेनॉल विनिर्माण इकाइयों को बढ़ावा देती है।
3. नई नीति एससी, एसटी, ईबीसी, महिलाओं, दिव्यांग जन, युद्ध विधवाओं, एसिड अटैक पीड़ितों और थर्ड जेंडर उद्यमियों जैसे विशेष वर्ग के निवेशकों के लिए एक अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान करती है।
4. उनके मामले में, संयंत्र और मशीनरी की लागत का 15.75%, अधिकतम 5.25 करोड़ रु का पूंजी अनुदान होगा।

◈ **महत्वः** यह नीति रोजगार निर्मित करने में मदद करने के साथ-साथ प्रदूषण को कम करने में भी मदद करेगी। वर्तमान में, देश में पेट्रोल में बायोइथेनॉल सम्मिश्रण 6.2% है, जबकि सरकार ने वर्ष, 2030 तक 20% सम्मिश्रण का लक्ष्य रखा था, जिसे अब घटाकर वर्ष 2025 कर दिया है।

बिहार लगभग 12 करोड़ लीटर इथेनॉल का उत्पादन करता है और देश में इथेनॉल उत्पादन में 5 वें स्थान पर है। इस नवीनतम नीति के कार्यान्वयन का लक्ष्य भारत को एक इथेनॉल हब बनाना है और हर साल 50 करोड़ लीटर इथेनॉल उत्पन्न करना है।

बिहार बालू खनन नीति 2019

राज्य में नदी निकायों से बालू निकालने के बेहतर नियमन और पर्यावरण की सुरक्षा को बनाये रखने हेतु राज्य सरकार द्वारा बालू नीति 2013 के स्थान पर बिहार बालू खनन नीति 2019 को लाया गया है।

नीति के लक्ष्य

1. बालू खनन इस प्रकार हो कि पर्यावरण सुरक्षित और सतत रूप से टिकाऊ बना रहे।
2. निर्माण हेतु पर्याप्त मात्रा में बालू की उपलब्धता सुनिश्चित बनी रहे।
3. रोजगार सुनिश्चित करने हेतु बंदोबस्ती पाने वालों की संख्या बढ़ाना।

◈ बिहार खनिज रियायत नियम, 1972 और बिहार खनिज (अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की रोकथाम) नियम, 2003 को निरस्त करके राज्य सरकार ने बिहार खनिज (रियायत, अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की रोकथाम) नियम, 2019 की शुरुआत की है।

- अवैध खनन और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार ने बिहार के प्रत्येक जिले में एक टास्क फोर्स का गठन किया है।

बिहार स्टार्टअप नीति, 2017

बिहार सरकार द्वारा आधारभूत संरचना को मजबूत करने तथा औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित कर नवाचारों को बढ़ावा देने हेतु मार्च 2017 में बिहार स्टार्टअप नीति, 2017 को अनुमोदित किया है।

- इस नीति के माध्यम से बिहार में स्टार्टअप स्थापना हेतु अनुकूल पारिस्थितिकी का निर्माण कर स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार हेतु प्रेरित किया जाएगा। इस नीति को 2017-2022 तक पांच वर्ष तक के लिए लागू किया गया है।

प्रमुख स्तंभ

बिहार स्टार्टअप नीति की रूपरेखा को निम्नलिखित चार स्तंभों पर तैयार किया गया है, जिसे संक्षिप्त रूप में 'युवा' कहा जाता है।

- **'Y'** (वाई) का अर्थ है जागरूकता, नेटवर्किंग और मेंटरिंग अभियान को शामिल करने वाले यस टू स्टार्ट अप्स (नवांकुर उद्यमों के लिए हो) से संबंधित है।
- **'U'** (यू) स्टार्टअप सहयोग हेतु अनशिलिंग रेगुलेटरी एनेब्लर्स (सहायक विनियामक समर्थकों को छोड़ देना)।
- **'V'** (वी) स्टार्टअप के प्रोत्साहन और सुगमीकरण हेतु वाइब्रेंसी इन एडुकेशन सिस्टम (प्रोत्साहन एवं आसान बनाने हेतु शिक्षा तंत्र में स्पंदन)
- **'A'** (ए) एक्सेस टू फाइनेंसिंग एंड इन्क्यूवेशन सपोर्ट अर्थात वित्त और उद्‌भवन सहायता तक पहुंच से संबंधित है।

प्रमुख तथ्य

इस नीति के तहत राज्य सरकार द्वारा 500 करोड़ रुपए का स्टार्टअप जोखिम पूंजी कोष बनाया गया है।

- इस नीति में अनुसूचित जाति/जनजाति/महिला/दिव्यांग उद्यमियों के लिए अलग से सहायता का प्रावधान शामिल किया गया है।
- नीति को अधिक प्रभावी और समावेशी बनाने हेतु 'स्टार्टअप बिहार' नामक पोर्टल का आरंभ किया गया है। जिसपर प्रमाणन, नेटवर्किंग, प्रोत्साहन विभूति, शिकायत निवारण जैसी सेवाएं प्रदान की जाएगी।
- प्रमण्डल, मुख्यालय और बड़े शहरों में उद्यमिता विकास कोषांग और उद्यमिता सुगमीकरण केन्द्र स्थापित करने का प्रावधान किया गया है।
- इस नीति के तहत भौतिक संरचना उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में राज्य सरकार द्वारा निम्न संस्थानों से सहयोग प्राप्त किया है-
  1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT); पटना
  2. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT); पटना
  3. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद; (ICAR)
  4. राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान; (NIFT)
  5. केन्द्रीय प्लास्टिक अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीपैट)
- ज्ञात हो कि इन संस्थानों द्वारा इन्क्यूवेटरों की स्थापना की जाएगी।
- व्यवसाय सुगमता को बढ़ावा देने हेतु स्टार्टअप्स को 5 वर्षों तक कार्य संचालन हेतु लाइसेंसों, निबंधन और नियामक से छूट प्रदान की गई है।